आकांक्षा जिला जनता की असली आकांक्षाओं को कुचलने के लिए ही!

दंतेवाडा को आकांक्षा जिले के तौर पर चयन करके वहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के नाम पर कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है. एजुकेशनल हब के नाम पर निष्ठा, आस्था, छू लो आसमान आदि स्कूलों का संचालन किया जा रहा है. इसके अलावा बस्तर संभाग के हर जिले में लाइवली हुड(आजीविका) कॉलेजों को खोल कर ड्राइविंग आदि विषयों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है. आदिवासी एंटरप्रेन्यूरशिप के नाम पर कुछ लोगों को छोटे-मोटे व्यापार के अवसर उपलब्ध किए जा रहे हैं. महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के अलावा ई-रिक्षा ड्राइविंग आदि में प्रशिक्षण देकर महिला सशक्तीकरण (विमेन एंपवरमेंट) को आगे बढ़ाने का दावा किया जा रहा है. ये सब दिखा कर विकास का ढिंढोरा बजा दिया जा रहा है.

क्या वाकई में इसे विकास कह सकते है?

बिलकुल नहीं. किसी कार्य या योजना को विकास तब कहा जा सकता है जब उसके फल अधिकतम लोगों को मिलें.

फिलहाल अधिकतर लोगों की जिंदगी कैसी है?

कई कंपनियों में छंटनी की वजह से मुजदूर सड़क पर हैं. किसान आत्महत्याएं करने मजबूर हैं. आदिवासी इलाकों में तो जनता विस्थापन, बेरोजगारी, पलायन, भुखमरी से पीड़ित है. शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है.

जनता की इस बदहाली के दोषि कौन है?

लुटेरी सरकारें है. सरकारों को चलाने वाले शासक व शोषक वर्ग हैं. सरकार की कारपोरेटपरस्त जनविरोधी योजनाओं द्वारा सभी तबकों के लोग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं.

तो अब ये कपट योजनाएं किसलिए?

सभी लोगों को खाना, कपड़ा, मकान, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा मिलें. जल-जंगल-जमीन पर अधिकार हों. कुल मिलाकर जनता को एक बेहतर, समतामूलक जिंदगी जीने का अधिकार मिलें. इसके लिए भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नेतृत्व में यहां की जनता की विशाल भागीदारी के साथ विगत 38 वर्षों से दंडकारण्य में जनयुद्ध व जनांदोलन जारी है. इसके फलस्वरूप गांव-गांव में गठित क्रांतिकारी जनताना सरकारों द्वारा जनता के असली विकास के लिए कोशिश की जा रही है. इस कोशिश को रोकने, जनता को क्रांति के रास्ते से भटकाने कुछ लोगों को अलग करके शासक वर्ग उन्हें कुछ अवसर व सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं. इस तरह जनता की सभी समस्याओं को हल करने में अपनी नाकामयाबी पर परदा डाल रहे हैं.

सरकार की योजनाएं किसके फायदे के लिए?

निश्चित रूप से कह सकते हैं कि कॉरपोरेट घरानों के फायदे के लिए ही.

कौशल विकास के नाम पर कॉरपोरेट कंपनियों के लिए छोटे-मोटे कामगारों को तैयार कर रहे हैं.

आदिवासी एंटरप्रेन्यूरशिप के नाम पर उन कंपनियों को सस्ती माल आपूर्ति करने, उनके द्वारा तैयार चीजों को बेचने वाले छोटा-मोटा व्यापार वर्ग को तैयार कर रहे हैं.

संसाधनों की लूट के लिए परिवहन आसान हो, इसलिए ड्राइविंग आदि में प्रशिक्षण दे रहे हैं.

कुल मिलाकर हमारे इलाके की सारी संपत्ति के दोहन के लिए हमारे पढ़े-लिखे युवाओं को ही वाहक बना दिया जा रहा है.

लुटेरे वर्गों को और क्या फायदें मिलें?

इन कार्यक्रमों के पीछे और बहुत सारे षड़यंत्र छिपे हुए हैं. आदिवासी समाज के पढ़े-लिखे लोगों को उनकी जड़ों से अलग करके उस समाज की संघर्ष क्षमता को कम करने की साजिश है.

उन्हें अपने पक्ष में लाकर अपनी कॉरपोरेटपरस्त व जनविरोधी नीतियों को और आगे बढ़ाने में समर्थन हासिल करने की कोशिश है.

उतना ही नहीं, समाज के एक छोटे से तबके को उपलब्ध कराने वाली कुछ सुविधाओं को ही उस तमाम समाज के विकास के तौर पर दिखाने का मकसद है.

जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए सुधारवाद व अर्थवाद का रास्ता दिखाने की मंशा है.

ढोंगी विकास योजनाएं भी दमन का हिस्सा है!

क्रांतिकारी आंदोलन व जनताना सरकारों को कुचलने के मकसद से शासक वर्गों द्वारा पहले से ही अपने सशस्त्र बल का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके तहत दिन-ब-दिन हथियारबंद बलों की तादाद बढ़ रही है. कॉरपेट सेक्युरिटी के तहत गांव-गांव में सशस्त्र बलों के कैंप बिठाए जा रहे हैं. शासक वर्गों को अच्छी तरह पता है कि जनयुद्ध से जनता को अलग-थलग किए बिना वो सिर्फ अपने हथियारबंद बलों के जरिए ही किसी भी क्रांतिकारी आंदोलन का उन्मूलन नहीं कर सकते हैं. इसलिए वे अपनी षड़यंत्रपूर्ण कम तीव्रता वाली युद्ध नीति पर अमल कर रहे हैं. इसके तहत जनता के मन व हृदयों को जीतने के लिए यह सब कर रहे है.

कुल मिलाकर विकास के नाम पर जारी ये सारी योजनाएं विकास के लिए नहीं बल्कि असली विकास के लिए जारी क्रांति को नुकसान पहुंचाने के लिए.

कांग्रेस सरकार भी विगत की भाजपा सरकार के नक्शे कदम

छत्तीसगढ़ राज्य में विगत की भाजपा सरकार द्वारा आरंभ इस तरह की योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए नव गठित कांग्रेस सरकार अपने आप यह साबित कर रही है कि क्रांतिकारी आंदोलन को कुचलने में वह विगत की भाजपा के नक्शे कदम ही चलने वाली है.

विकास के नाम पर जारी इस षड़यंत्र में शामिल होना क्या आपको मंजूर है?

कतई नहीं! विकास के नाम पर जारी इस षड़यंत्र को छात्र-छात्राओं, बेरोजगार युवाओं व महिलाओं को समझना चाहिए. इन ढोंगी योजनाओं को धता बताते हुए अपने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए संघर्ष के रास्ते में आगे बढ़ना चाहिए. क्रांतिकारी आंदोलन के पक्ष में खड़े होने चाहिएं.

क्रांतिकारी अभिनंदन के साथ,

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी).

आकांक्षा जिला जनता ना असली आकांक्षा किन मापलासिये!

दंतेवाड़ा जिला किन आकांक्षा जिला बना कीसि लेयास्क–लेय्योर किन रोजगार पोरोय ते कौशल विकास कार्यक्रम ताकि कियामंतोर. एजुकेशनल हब ता पोरोय ते निष्ठा, आस्था, छू लो आसमान लेहकड़ा स्कूलकु ताकि कियामंतोर. इदे आयवा बस्तर इलाका ता सब्बे जिलांग ने लाइवली हुड (आजीविका) कॉलेजकु खोले कीसि गाडिंग ताकि कियना (ड्राइविंग) करहा मंतोर. आदिवासी एंटरप्रेन्यूरशिप पोरोय ते उच्चवुर किन उडला–बेहरा व्यापार किन ताकि कियना मौकांग पुट्टि कियामंतोर. महिलांग किन सिलाई–कढ़ाई ना संगे ई–रिक्षा ताकि कियना ट्रेनिंग हीसोरे महिला सशक्तीकरण किन मुन्ने ओयमंतोम इंजि वेहामंतोर. इव सब्बे किन तोहसि विकास कीत्तोम इंजि वेहामंतोर.

दीन किन विकास इंजि वेहा परिंतोमा?

बिलकुले वेहा पारवोम. बदे वेने काम ओसो योजना ता फायदा वेल्लाय जनता किन दोरकतेकेने विकास इंतोम.

इंजे वेल्लेय मुल ना पिस्वल बेद्दम मंता?

बेचोनो कारखाना, कंपनी बंद अत्ता कारण ते मजदूर लोरा नौकरी हत्ता. किसान लोर आत्महत्यांग कीसि डोल्लामंतोर. आदिवासी इलाकांग लोपा विस्थापन, बेरोजगारी, बन्नी दायना, करविने दोल्लना बेरसोर मंता. जनता किन शिक्षा ओसो स्वास्थ्य सुविधांग दोरकसुरे हिल्लेंग.

इद्दम ता परिस्थिति तुक कारण बोर?

लूटी सरकारे. कॉरपोरेट कंपनी तोर किन फाइदा कियलासि लूटी सरकार ताकी कियना जनविरोधी नीतिंग ना कारण ते हर तबका ता जनता ना पिस्वाल प्रभावित आसोरे मंता.

इंजेके झूटी योजनांग बारकीय तच्चोरे मंतोर?

सब्बे तोर किन गाटो, गेतला, लोन, रोजगार, पढ़ाई, स्वास्थ्य सुविधा मंदलासी, जल, जंगल, जमीन पोर्रो अधिकार मंदलासी, कुल मिलाकीसी बेस ता पिस्वल पिस्सला अधिकार जनता किन मंदलासी भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ना नेतृत्व ते, इग्गटा जनता ना वेल्लय भागीदारी संगे अत्ता 38 सालकु नल दण्डकारण्य ते जनयुद्ध, जन संघर्ष ताकसोरे मंता. नार–नार ते गठन अत्ता क्रांतिकारी जनताना सरकारकु जनताना असली विकास काजे कोशिश किसोरे मंतांग. इद कोशिश तुन रोमि कीयला, जनता किन क्रांतिकारी लड़ाई हरि तल लेहसी कियला, उच्चवुर मानेय किन अलग कीसि रोजगार ता मौका ओसो सुविधांग किन एवसि किसोरे मंतोर. जनता ना समस्यांग किन हल किया परवा लूटी सरकार तमा कमजोरी तुन मक्की कियला इद्दमता योजनांग तच्चोरमंता.

इव योजनांग बोना फायदा काजे?

कॉरपोरेट कंपनितोरा फायदा काजेये.

कौशल विकास पोरोय ते कॉरपोरेट कंपनींग लोपा काम कियलासी उडला–बेहरा कामगारीर किन तैयार किसोरेमंतोर.

आदिवासी एंटरप्रेन्यूरशिप पोरोय ते अव कंपनींग किन सस्ती माल आपूर्ति कियलासी ओसो अव कंपनींग तैयार कियना चीज किन वम्मलासी उडला–बेहरा व्यापार वर्ग तुन तैयार किसोरेमंतोर.

इग्गडल संसाधनकु लूटी किसी ओयला हल्को आयना लेहका ड्राइविंग लोपो प्रशिक्षण हिसोरेमंतोर.

कुल मिलाकीसी मनवा इलाका ता मंदना संपत्ति तुन लूटी कियलासी मनवा पढ़ाई लिखाई कित्ता लेय्या–लेय्योर किने इस्तेमाल किसोरेमंतोर.

बांरांकु लूटी वर्ग तोर इव कार्यक्रम ताकि किसोरे मंतोर?

इव कार्यक्रम ता पेरके वेल्लय षड़यंत्र मंता. आदिवासी समाज ता बेस पढ़ाई–लिखाई पुत्तोर किन अलग कीसि आदिवासी समाज किना संघर्ष ता ताकत किन कमि कियना साजिश किसोरमंतोर.

ओर किन तमा पक्ष ते तच्ची तमा कॉरपोरेटपरस्त जनविरोधी नीतिंग किन मुन्ने होयलासि समर्थन एतला कोशिश किसोरमंतोर.

इचुने आयो, समाज ता ओंदि उडला तबका किन एवसि कियना सुविधांग किन सब्बे उत्पीड़ित तबकांग ओसो समाज ता विकास लेहका तोहचुरे मंतोर.

तमा आकांक्षांग किन पूरा कियलासि लड़ेमायना जनता किन लूटी शासक वर्गकु सुधारवाद ओसो अर्थवाद ता हरी तोहचुरे मंतांग. ढोंगी विकास योजनांग वेने दमन ता हिस्सा आंदु!

क्रांतिकारी आंदोलन ओसो जनताना सरकारकुन मुट्टि कियलासि लूटी कियना वर्गम तोर मुन्नेटले सशस्त्र बलकुन इस्तेमाल कीसोर मंतोर. अदेनके रोज–रोज ते पुलिस ओसो अर्ध सैनिक बल किन बेरसी कियामंतोर. कॉरपेट सेक्युरिटी हिसाब ते नार–नार ते सशस्त्र बलकुना कैंपकु तासोर मंतोर. जनयुद्ध तल जनता किन अलग–थलग कीवा लेवा, सिर्फ हथियारबंद बलकुना संगेने बद्दम वेने क्रांतिकारी आंदोलन किन मापा परवोम इंजि लूटी वर्गम तोर बेस पुत्तोर. अदिन काजे ओरू तमा धोखाबाजी एल.आई.सी. (कम तीव्रता वाला युद्ध नीति) तुन अमल किसोरमंतोर. जनता ना मन तुन, जीकालासि इद्दमता योजनांग तच्चोरेमंतोर.

कुल मिलाकीसी विकास पोरोय ते तत्तना इव योजनांग विकास काजे आयो, सही विकास काजे ताकना क्रांति तुक नुक्सान कियलासीये.

कांग्रेस सरकार वेने मुन्नेटा भाजपा सरकार ता हरि ते ताकसोरेमंता

छत्तीसगढ़ राज्य ते मुन्नेटा भाजपा सरकार शुरू कीत्ता इद्दमता योजनांग किन इंजे सत्ता ते वत्ता कांग्रेस सरकार मुन्ने ओसोरमंता. इत्तेके मुन्नेटा भाजपा सरकार ता हरिदेने इंजेटा सरकार वेने ताकिंता इंजि समझेमासोरेमंता.

विकास पोरोय ते ताकना इद षड़यंत्र लोपा मीटु शामिल आयकिरा?

बिलकुल आयनादयो. पढ़ेमायना पिल्ला–पेकोर, बेरोजगारिर, लेयोर ओसो महिलांग इद लूटी सरकार ता षड़यंत्रपूर्ण विकास कार्यक्रम कुन बेस समझेमायना. तमा समाज ता असली विकास काजे लड़ाई हरदे मुन्ने दायना.

क्रांतिकारी अभिनंदन के साथ,
दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी).

दिनांक – 31 जनवरी, 2019